



भाकृअनुप-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र, पुणे



नाशिक क्षेत्र में उगे हुए अंगूर से बेदाना बनाने हेतु जानकारी

नाशिक क्षेत्र में अंगूर मुख्य रूप से खाने के लिए उगाया जाता है. अतः इस क्षेत्र में किशमिश बनाने हेतु अंगूर सुखाने हेत आवश्यक बेदाना शेड उपलब्ध नहीं हैं. साथ ही साथ मणि का साइज बढ़ाने हेतु जीए का प्रयोग भी किया जाता है. इसके फलस्वरूप मणि की स्किन मोटी हो जाती है. इन खाने वाले अंगूरों से किशमिश बनाने के लिए निम्न विधि का प्रयोग किया जाना चाहिए:

1. वाइन पर अंगूर सुखाना

- I. जिन काड़ियों (शाखों) पर अंगूर हैं उन्हें तार पर बाँध दें.
- II. 2-3 कलियों के ऊपर काड़ी (शाखाओं) पर कट लगाएं
- III. 1.5% इथाइल ओलियेट तथा 2.5% पोटेशियम कार्बोनेट का सोल्यूशन बनाएं. इसके हिसाब से 1 लीटर पानी में 15 मिली लीटर इथाइल ओलियेट तथा 25 ग्राम पोटेशियम कार्बोनेट मिलायें.
- IV. घड़ (अंगूर गुच्छों) के ऊपर इस सोल्यूशन का छिड़काव करें.
- V. 11 मिली लीटर इथाइल ओलियेट तथा 18 ग्राम पोटेशियम कार्बोनेट को एक लीटर पानी में मिलाकर सोल्यूशन बनाएं तथा पहले छिड़काव के तीन से चार दिन बाद दूसरा छिड़काव भी करें.
- VI. बेदाना (किशमिश) बनने में 12-15 दिन लगेंगे. जब बेदाना (किशमिश) में नमी 14-16% हो जाय तो इन सूखी हुई काड़ियों (शाखों) को घड़ों (अंगूर गुच्छों) सहित तार से अलग करें.
- VII. बेदाना (किशमिश को) घड़ (अंगूर गुच्छों) से अलग करें.
- VIII. सफाई तथा ग्रेडिंग करने के बाद स्टोर करें.

कैमीकल की आवश्यकता: यदि बगीचा 10x6 फीट के अंतर पर लगाया है और प्रत्येक लता (वाइन) पर 40-45 घड़ रखे हैं तो

पहला छिड़काव: कुल सोल्यूशन की आवश्यकता लगभग 150 लीटर (गन द्वारा छिड़काव करने के लिए). इसे बनाने के लिए 2.25 लीटर इथाइल ओलियेट तथा 3.75 किलोग्राम पोटेशियम कार्बोनेट की आवश्यकता होगी.

दूसरा छिड़काव: कुल सोल्यूशन की आवश्यकता लगभग 150 लीटर (गन द्वारा छिड़काव करने के लिए). इसे बनाने के लिए 1.65 लीटर इथाइल ओलियेट तथा 2.7 किलोग्राम पोटेशियम कार्बोनेट की आवश्यकता होगी.

2. घड़ (अंगूर गुच्छों) को काटकर सुखाने के लिए

- I. उपलब्ध घड़ों (अंगूर गुच्छों) की कटाई करके क्रेट में रखें
- II. 1.5% इथाइल ओलियेट तथा 2.5% पोटेशियम कार्बोनेट का सोल्यूशन बनाएं. इसके हिसाब से 1 लीटर पानी में 15 मिली लीटर इथाइल ओलियेट तथा 25 ग्राम पोटेशियम कार्बोनेट मिलायें.
- III. इन कटे हुए घड़ों (अंगूर गुच्छों) को इस सोल्यूशन में 3 मिनट के लिए डुबोयें (डिपिंग करें).
- IV. 10 लीटर सोल्यूशन में 70 से 80 किलोग्राम अंगूर ही डुबोये जा सकते हैं. इसके बाद सोल्यूशन की क्षमता प्रभावित होने लगती है.
- V. डुबोने (डिपिंग) के बाद घड़ों (अंगूर गुच्छों) को जमीन पर बिछी पोलिथीन पर एक परत के रूप में बिछा दें.
- VI. प्रत्येक दिन इन घड़ों (अंगूर गुच्छों) को उलट पलट करते रहें जिससे की सभी मणियों को सूखने का सामान अवसर मिल सके.
- VII. 3 तथा 6 दिन बाद इन घड़ों (अंगूर गुच्छों) पर सोल्यूशन का छिड़काव करें.
- VIII. जब बेदाना (किशमिश) में नमी 15-16% तक पहुँच जाय तो सूखे हुए घड़ों (अंगूर गुच्छों) को इकठ्ठा करें तथा बेदाना (किशमिश) को स्टेम से अलग कर लें.
- IX. बेदाना (किशमिश) की सफाई के बाद ग्रेडिंग करके स्टोर करें.

कैमिकल की आवश्यकता: एक टन अंगूर के लिए कैमिकल की आवश्यकता निम्न प्रकार है

डिपिंग: एक टन अंगूर के लिए कुल सोल्यूशन की आवश्यकता 125 लीटर (यदि 10 लीटर सोल्यूशन में 80 किलो अंगूर के लिए पर्याप्त है). इसे बनाने के लिए 1.90 लीटर इथाइल ओलियेट तथा 3.1 किलोग्राम पोटेशियम कार्बोनेट की आवश्यकता होगी.

पहला छिड़काव: कुल सोल्यूशन की आवश्यकता लगभग 25 लीटर (गन द्वारा छिड़काव करने के लिए). इसे बनाने के लिए 300 मिली लीटर इथाइल ओलियेट तथा 450 ग्राम पोटेशियम कार्बोनेट की आवश्यकता होगी.

दूसरा छिड़काव: कुल सोल्यूशन की आवश्यकता लगभग 25 लीटर (गन द्वारा छिड़काव करने के लिए). इसे बनाने के लिए 200 मिली लीटर इथाइल ओलियेट तथा 325 ग्राम पोटेशियम कार्बोनेट की आवश्यकता होगी.